>

Title: Need to strengthen socio-economic relations with Nepal.

श्री हर्ष वर्धन (महाराजगंज, उ.प्र.): भारत एवं नेपाल के मध्य परस्पर शताब्दियों से सौहार्दपूर्ण वातावरण रहा है। दोनों देशों की भौगोलिक स्थिति भी इन देशों को परस्पर एक-दूसरे का सहयोगी बनाती है। यही कारण है कि आज भी दोनों राष्ट्रों के निवासी अबाध रूप से दोनों देशों के मध्य आ-जा सकते हैं। इस हेतु किसी प्रकार के वीजा की आवश्यकता नहीं है। यही नहीं नेपाली राष्ट्र के नागरिक भारतीय सशस्त्र सेनाओं में सम्मिलित होकर भारत की सैन्य सुरक्षा में अपना अमूल्य योगदान देते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में भारत-नेपाल के मध्य संबंधों में शिथिलता आई है। चीन की विस्तारवादी नीति एवं उसकी भारत के प्रति नीति का प्रभाव नेपाल पर भी पड़ा है। आज भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के पास के इलाकों में चीन द्वारा स्थापित किए जा रहे अध्ययन केन्द्र वास्तव में सामरिक महत्व के स्थानों पर चीन की भारत के प्रति अपनाई जाने वाली नीतियों को उजागर करता है।

लगभग 18 सौ किलोमीटर की भारत-नेपाल सीमा पर कड़ी चौकसी के साथ ही इस सीमावर्ती क्षेत्र में नेपाल के प्रति हमारी सदियों पुरानी प्रतिबद्धता एवं रिश्तों की प्रगाढ़ता को बढ़ाने हेतु हर संभव कदम उठाया जाना देशहित में अत्यंत आवश्यक है। साथ ही नेपाल सहित भारत को लाभ पहुंचाने वाली तमाम परियोजनाओं को प्रारंभ करने के लिए भी पहल की आवश्यकता है ताकि नेपाल की आम जनता विकास से सीधे लाभांवित हो सके।